Incidents of Atrocities on persons belonging to weaker sections of society in Rajasthan

श्री रामदास अग्रवाल (राजस्थान): उपसभापति महोदय, जैसा आप जानते हैं कि मैं राज्य सभा में राजस्थान से चुना हुआ सांसद हूँ। आज जो विषय आपके सामने रख रहा हूँ, जो घटनाएं आपके सामने रख रहा हूँ, इस संबंध में यद्यपि सांसद होने के नाते मुझे मन में बहुत दुख भी है और शर्म भी है, लेकिन मेरा फर्ज है कि मैं उन घटनाओं की चर्चा संसद में जरूर करूं, ताकि देश का ध्यान उन घटनाओं पर जाए।

महोदय, पिछले दिनों जोधपुर के हॉस्पिटल में 18 प्रसूताएं मारी गईं, जो कि हमारे मुख्य मंत्री का गृह constituency है। यहां पर एक के बाद एक प्रसूताएं मारी गईं और अभी भी वह किस्सा थमा नहीं है। वहां पर इसकी छोटे-मोटे तौर पर जांच कर दी गई और इसको समाप्त कर दिया गया।

महोदय, मैं इससे भी ज्यादा वीभत्स दूसरा कांड आपके सामने रखना चाहता हूँ, जो बहुत दुखदायक है। वहां चोरी के कारण एक महिला की हत्या की गई, क्योंकि उसके पांव में चांदी के कड़े थे। उसके पांव काट दिए गए। वह माली समाज की महिला थी, ओबीसी की महिला थी। जब उस महिला की हत्या हो गई, तो लोगों ने कहा कि इसकी जांच की जाए और इसके अपराधियों को पकड़ा जाए, लेकिन पुलिस ने वहां पर 4-5-6 दिनों तक कोई कार्रवाई नहीं की।...(व्यवधान)...

श्री नरेन्द्र बुढानिया (राजस्थान): सर, इस प्रकार की कोई बात नहीं है।...(व्यवधान)...

श्री रामदास अग्रवाल: आप बीच में मत बोलिए।...(व्यवधान)... आप भी अपना विषय रखिए, लेकिन बीच में मत बोलिए।...(व्यवधान)... महोदय, जब उस महिला की हत्या की जांच नहीं हुई, तब उसी क्षेत्र के कुछ लोगों ने कहा कि अगर इसकी जांच नहीं होगी...(व्यवधान)... उसी क्षेत्र के राजेश मीणा नाम के एक लड़के ने पुलिस को challenge दिया और कहा कि अगर इसकी जांच नहीं होगी, तो मैं वाटर टैंक से कूद कर आत्म हत्या कर लूंगा। वह कई घंटों तक वाटर टैंक पर खड़ा रहा। जब पुलिस ने इस पर कोई कार्रवाई नहीं की, तो उसने वाटर टैंक से कूद कर आत्म हत्या कर ली। वह पूरी तरह जल गया।

महोदय, मैं एक दूसरा वीभत्स कांड आपके सामने लाना चाहता हूँ। वह यह है कि जब इस मामले में कोई कार्रवाई नहीं हुई, तो इससे सारे समाज में एक रोष फैल गया। इससे सबसे ज्यादा वीभत्स और शर्मनाक कांड यह हुआ कि वहां पर जो SHO मौजूद था, उसको लोगों ने जिंदा जला दिया। इसमें सबसे अफसोस की बात यह हुई कि उसके साथ पुलिस के कई लोग थे, लेकिन उन्होंने उस अफसर को बचाने की कोई कोशिश नहीं की। मैं उन लोगों के प्रति दुख प्रकट करना चाहता हूं, जिन्होंने अपने दायित्व को पूरा नहीं किया। दुर्भाग्य है कि अगर पुलिस के लोग अपने दायित्व को छोड़कर भाग जाएंगे, पुलिस अफसर को जिंदा जलता हुआ देखेंगे, तो इस देश में क्या होगा, उसकी कल्पना कीजिए।

महोदय, दूसरी बात इससे भी ज्यादा खराब लॉ एंड ऑर्डर की हुई कि जब डी.जी. पुलिस वहां पर फूल मुहम्मद को श्रृद्धांजलि देने के लिए उसके गांव में गए, जिसको जिंदा जला दिया गया था ...(**समय की घंटी**)... सर, एक मिनट...

श्री उपसभापति: जल्दी समाप्त कीजिए।

श्री रामदास अग्रवाल: तो उस डी.जी. पुलिस के ऊपर पत्थर फेंके गए, गाड़ियां तोड़ दी गईं। मैं यह कहना चाहता हूं कि राज्य सरकार इन सारे मामलों में कार्यवाही करके कोई कदम क्यों नहीं उठाती है? आखिर यह कब तक चलता रहेगा? कब तक ये हत्याएं करते रहेंगे? महोदय, यह मामला बहुत सीरियस है, वीभत्स है, दुखदायक है। महिलाओं की मौत, महिलाओं की हत्या और एक पुलिस अफसर की हत्या से ज्यादा शर्मनाक बात और कोई नहीं हो सकती है।

श्री विजय कुमार रूपाणी (गुजरात): उपसभापति महोदय, मैं इस विषय के साथ एसोसिएट करता हूं।

श्री कलराज मिश्र (उत्तर प्रदेश): उपसभापति जी, मैं स्वयं को इस विषय से सम्बद्ध करता हूं।

SHRI V.P. SINGH BADNORE (Rajasthan): Sir, I associate myself with the issue raised by the hon. Member.

श्री पुरुषोत्तम खोडाभाई रूपाला (गुजरात): महोदय, मैं भी इस विषय के साथ एसोसिएट करता हूं।

श्री रघुनन्दन शर्मा (मध्य प्रदेश): उपसभापति महोदय, मैं स्वयं को इस विषय से सम्बद्ध करता हूं।

श्री अविनाश राय खन्ना (पंजाब): सर, मैं भी इस विषय के साथ एसोसिएट करता हूं।

Burning of a Bastar village, brutal killing and assaulting of men and women

MS. MABEL REBELLO (Jharkhand): Sir, I would like to draw your attention and the attention of the entire House to Bastar. A year ago, I stood at this very place and drew the attention of the entire House to what happened in Bastar. In Dantewada, 74 CRPF personnel were killed. The same thing has been happening for the last 3-4 days. I spoke to the officers also. There have been a lot of reports coming in *the Hindu* and other newspapers for the last 3-4 days. I have also been getting messages, e-mails and all that. I would like to tell the House that the National Human Rights Commission had asked the local police to investigate into the cases they had registered in 2005 and go into the areas like Dantewada, 70 per cent of which is not with the Union of India, but it is with Naxals; Narayanpur, 80 per cent of which is with the Naxals and Bijapur, 90 per cent of which is with Naxals. They asked them to go to Dantewada, Chintalnar and other villages and investigate into the cases. When the 500 policemen went — 150 local policemen, 200 CRPF personnel and 150 other Koya policemen — to a village known as Morpalli village, 15 kilometers away from Chintalnar, what happened there? When they reached there, the Naxals got to know about the police movement and they immediately surrounded 500 policemen, including paramilitary forces. And, when the policemen came to know about it, instead of coming back, they went up on a hill and took shelter there at night. What did the